2014

HINDI

(Major)

Paper : 5·4

(Hindi Ka Ekanki Sahitya)

Full Marks : 60

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए : 1×7=7

(क) 'समरेखा-विषमरेखा' का एकांकीकार कौन है?

(ख) बेला कौन थी?

(ग) 'महाभारत की एक सांझ' किस प्रकार का एकांकी है?

(घ) जयन्त कौन है?

(ङ) 'सूखी डाली' को छोड़कर उदयशंकर भट्ट द्वारा रचित अन्य एक एकांकी का नाम लिखिए।

(च) 'भोर का तारा' एकांकी के रचयिता कौन हैं?

(छ) 'श्रेष्ठ एकांकी' के सम्पादक का नाम बताइए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर लिखिए : 2×4=8

(क) "आग के अंगारों पर नाचने का अवसर तो आपने नहीं दिया—अब मैंने अंगारों पर अपनी देह रखने का अवसर आपसे मांग लिया!"—सन्दर्भ स्पष्ट कीजिए।

(ख) "आप पेड़ से किसी डाली का टूटकर अलग होना पसन्द नहीं करते, पर क्या आप यह चाहेंगे कि पेड़ से लगी-लगी वह डाल सूखकर मुरझा जाय..."—प्रस्तुत कथन किसने, किससे और क्यों कहा है?

(ग) "कायर और पराजित ही अन्त में धर्म की शरण लेते हैं।"—आशय स्पष्ट कीजिए।

(घ) "फिर सुना है, रूप के उपासक हैं और तुम रूपसी हो!"—यहाँ कौन 'उपासक' है और 'रूपसी' कौन है?

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×3=15

(क) 'सूखी डाली' एकांकी का उद्देश्य क्या है?

(ख) नाटक और एकांकी के प्रमुख अन्तरों को स्पष्ट कीजिए।

(ग) "आज जिन वीरों से देश की उन्नति होती, वही व्यर्थ मर रहे हैं—जो वीर मिट्टी छूकर सोना बनाते, वही आज मिट्टी हो रहे हैं!"—भाव स्पष्ट कीजिए।

(घ) "आधुनिकता से परेशान पीढ़ी के लिए मध्यकालीन संस्कारों में पले हुए लोग एक चुनौती हैं।"—'मम्मी ठकुराइन' एकांकी के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ङ) एकांकीकार भुवनेश्वर प्रसाद पर एक टिप्पणी प्रस्तुत कीजिए।

4. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10

हल्की-सी खरोंच भी, यदि उस पर तत्काल दवाई न लगा दी जाय, बढ़कर एक बड़ा घाव बन जाती है और वही घाव फिर नासूर हो जाता है, फिर लाख मरहम लगाओ ठीक नहीं होता।

अथवा

यदि तुम मेरे पति हो, तो मैं तुम्हें अपना सब कुछ नहीं दे सकती। मेरी इच्छाएँ हैं, मेरे शौक हैं। मैं मजबूर नहीं हूँ कि एक ही दुकान से हमेशा सौदा खरीदती रहूँ।

5. 'एकांकी' की परिभाषा देते हुए उसके प्रमुख भेदों पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा

हिन्दी एकांकी के उद्‌भव एवं विकास का संक्षिप्त लेखा-जोखा प्रस्तुत कीजिए।

6. एकांकी के तत्त्वों की दृष्टि से 'यह स्वतंत्रता का युग' एकांकी की समीक्षा कीजिए। 10

अथवा

"नारी-गौरव की रक्षा करनेवाली आत्मबल से पूर्ण युवतियों की अपेक्षा इस युग को है। इसी अपेक्षा की पूर्ति 'रीढ़ की हड्डी' की उमा करती है।"—प्रस्तुत कथन के आधार पर उमा का चरित्र-चित्रण कीजिए।

★★★